>

Title : Regarding delay in providing relief package to the people displaced due to land acquisition by NTPC.

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया, जिसे मैं कई दिनों से उठाना चाह रहा था।

महोदय, वर्ष 1984 में एनटीपीसी का थर्मल पावर प्लांट भागलपुर के कहलगांव में लगा था। उस वक्त वहां के लोगों से 3293 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था। 4246 लोगों को सरकार ने कहा कि हम नौकरी देंगे। लेकिन भू-विस्थापितों को आज तक कोई सुविधा नहीं मिली है। वहां जब कहा गया था कि रोजगार उपलब्ध करवाएंगे, उस श्रेणी में 188 और फिर 112 लोगों को ही नौकरी मिली, बाकी लोग वहां बेरोजगार बैठे हैं। सरकार ने 101 लोगों के लिए रोजगार का यहां एनाउंस किया, लेकिन कोर्ट ने उस पर स्टे लगा दिया। आज भी 4246 लोग वहां परेशान घूम रहे हैं। वहां से इन्दिरा आवास के लोगों को हटाया गया, जिनकी संख्या दो सौ से ज्यादा है। उन लोगों को आज तक न्याय नहीं मिला है। वे भी दर-दर भटक रहे हैं।

महोदय, देश के अंदर जब भी कोई संस्थान लगता है तो इस बात की गारंटी दी जाती है कि जिनकी जमीन छीनी जाएगी, उन्हें रोजगार दिया जाएगा।

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप सरकार से क्या चाहते हैं?

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर):** उपाध्यक्ष महोदय, यह गरीबों का मामला है और आप तो उनका दर्द समझते हैं।

महोदय, यह मामला भागलपुर का है और वहीं के हमारे मित्र सांसद श्री निशिकांत दुबे जी का भी मामला है। गरीबों की जमीन ली जा रही है। वहां बिजली बन रही है, जो दिल्ली और पंजाब जा रही है। लेकिन वहां चारों तरफ अंधेरा है। चिराग तले अंधेरा है। कहलगांव के भू-विस्थापितों के द्वारा कई बार आंदोलन किया गया। गोली भी चली, जिसमें पिछले साल तीन लोग मारे गए, लेकिन एनटीपीसी जागती नहीं है, ऊर्जा मंत्रालय जागा नहीं। बाद में एनटीपीसी ने मंत्री जी के क्षेत्र शोलापुर में जमीन एक्वायर की तो उन लोगों को तो रोजगार और मुआवजा मिल गया, लेकिन भागलपुर के कहलगांव के लोगों को आज तक रोजगार और मुआवजा नहीं मिला है।

महोदय, यदि नंदीग्राम और सिंगुर में किसान आंदोलन करता है तो देश जागता है, क्या भागलपुर में कहलगांव के लोगों को भी नंदीग्राम और सिंगुर के रास्ते जाना होगा, यदि सरकार न्याय नहीं देगी। यह सवाल केवल मेरे क्षेत्र का नहीं है, यह गोड्डा का है। जहां-जहां भी संस्थान बनता है, गरीब की जमीन लेते हैं। उसके लिए सरकार को अपनी पॉलिसी बनानी चाहिए। गरीब की जमीन छीन लेते हैं। वहां धुआं निकलने से लोगों को बीमारी हो रही है। वहां के धुं से खेती बर्बाद हो रही है। लेकिन जिन लोगों की जमीन थी, उनके चारों तरफ अंधेरा है। हमने मांग की और सरकार ने घोषणा की थी कि पांच किलोमीटर क्षेत्र में बिजली देंगे, वह भी नहीं दी गई है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं और सरकार को जगाना चाहता हूं, सरकार मजबूर न करे, हम वहां से सांसद हैं, निशीकांत दुबे जी बगल के क्षेत्र से सांसद हैं। हम वहां जाते हैं तो भू-विस्थापित हम लोगों को घेर लेते हैं। गलती सरकार करे और घेराव हमारा होता है। सरकार को हम जगाना चाहते हैं और हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि जिन लोगों की जमीन गई, अविलम्ब उनको मुआवजा दिया जाए, उन्हें नौकरी दी जाए। उनके साथ सरकार न्याय करे।

आपके माध्यम से हम मंत्री जी से चाहेंगे कि वे सरकार की तरफ से रिस्पॉण्ड करे, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। इस विषय पर भागलपुर और कहलगांव की जनता बुरी तरह से नाराज हैं। सरकार को जगाने के लिए आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि सरकार संवेदनशील रहे, उन्हें यह रिस्पॉण्ड करना चाहिए कि जिन लोगों की जमीन ली गई है, उन लोगों को न्याय नहीं मिला है, उन लोगों को आज के रेट पर जमीन का मुआवजा दिया जाए और नौकरी दी जाए...(व्यवधान)सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिए, यह गंभीर मुद्दा है।...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:**

श्री निशिकांत दुबे जी और

श्री हुकमदेव नारायण यादव जी भी अपने आपको इस मामले से सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:** आपने अपनी बात कह दी है, वे ध्यान देंगे। अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: How can I respond to this now? ...(*Interruptions*)

**उपाध्यक्ष महोदय:** कृपया आप बैठ जाएं।